RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई, गुरुवार 11 सितम्बर 2025 वर्ष 07 अंक 144 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद,

Page - 2

मनपा चुनाव में होगी बिग फाइट

राज-उद्धव ने किया मंथन, डीसीएम शिंदे ने भी कसी कमर

मुंबई : दीपावली के बाद संभावित राज्य के सभी निकायों खासकर मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए सभी सियासी दलों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे अपने मतभेदों को भुलाकर युति की दिशा में लगातार कदम आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों भाइयों की पिछले 15 दिनों में हुई दूसरी मुलाकात हुई है। इसी के साथ उद्धव की पार्टी 'शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे' (यूबीटी) और राज की 'महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना' (मनसे) की युति लगभग तय हो गई है।

दावा किया जा रहा है कि एक साथ आने से मुंबई बीएमसी चुनावों में मराठी वोटों के ध्रुवीकरण का लाभ मिलेगा, ऐसा मान कर सीटों के बंटवारे पर चर्चा के लिए दोनों भाई अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों का अध्ययन कर रहे हैं। तो वहीं उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी मुंबई पर अपनी पकड़ को मजबूत बनाने के लिए कमर कसनी शुरू कर दी है। इससे बीएमसी चुनाव में महायुति खासकर बीजेपी और डीसीएम शिंदे की शिवसेना के साथ उद्धव-राज की बिग फाइट की अटकलें भी जोर पकड़ने लगी हैं।

उद्धव और राज के बीच मुलाकतों में वृद्धि

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित महाराष्ट्र के अन्य निकायों के चुनावों की पृष्ठभूमि में उद्धव और राज के बीच मुलाकतों में वृद्धि देखने को मिल रही हैं। इसी पार्श्वभूमि में बुधवार को सुबह राज के निवास 'शिवतीर्थ' पर अचानक पहुंच कर उद्धव ने सभी को चौंका दिया। बताया जा रहा है कि वहां उनके बीच करीब ढाई घंटे बंद कमरे में चर्चा हुई।

मुंबई : पत्नी ने अपने ही प्रेमी को गहने दिए थे; चोरी गए गहने बरामद

मुंबई : हैरान करने वाली घटना सामने आई है. यहां बीएमसी कॉलोनी में रहने वाले रमेश हल्लीवेकर नामक एक बीएमसी कर्मचारी ने 27 अगस्त 2023 को चोरी की शिकायत दर्ज कराई, उसने बताया कि 24 अगस्त की रात उसके घर में सोने के गहने चोरी हुए थे. पुलिस जांच में ये पता चला कि ये कोई आम चोरी नहीं थी.

पुलिस ने जांच के दौरान रमेश और उसकी पत्नी के कॉल रिकार्ड्स की जांच की, जिसमें उन्हें ये पता चला की उसकी पत्नी की किसी और आदमी के साथ संबंध था. यहीं नहीं जांच में ये भी सामने आया कि रमेश की पत्नी ने अपने ही प्रेमी को गहने दिए थे. अब पुलिस ने रमेश की पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी गए लगभग 10.5 तोले सोने के गहने बरामद कर लिए हैं.

घोड़बंदर रोड पर भीषण जाम...

मीरा भयंदर के नवघर से मानपाड़ा तक वाहनों की लंबी कतारें

ठाणे : घोड़बंदर रोड पर भीषण जाम लग गया है, जिससे मीरा भयंदर के नवघर से ठाणे के मानपाड़ा तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सुबह 8:30 बजे तक भी जाम की समस्या बनी रही, जिससे दैनिक आवागमन, खासकर ठाणे, मीरा भयंदर, वसई, बोरीवली, दहिसर और नवी मुंबई के बीच यात्रा करने वाले श्रमिकों के लिए, काफी बाधित हुआ है। घोड़बंदर घाट क्षेत्र में बड़े-बड़े गड्ढे और गलत दिशा में चल रहे वाहन जाम का मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। खास तौर पर गायमुख घाट वाला हिस्सा काफी खराब स्थिति में है, सड़क की सतह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है।

पिछले कुछ महीनों में प्रशासन द्वारा बार-बार मरम्मत के प्रयासों के बावजूद, समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। यह सड़क उरण जेएनपीए बंदरगाह से गुजरात की ओर जाने वाले भारी वाहनों के साथ-साथ पश्चिमी उपनगरों से ठाणे और नवी मुंबई जाने वाले हजारों ऑफिस जाने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। मीरा भयंदर से ठाणे मार्ग पर नवघर से गायमुख घाट तक और ठाणे से घोड़बंदर मार्ग पर घोड़बंदर घाट से मानपाड़ा तक, दोनों दिशाओं में यातायात जाम की सूचना मिली है। भारी वाहन भी फंस गए हैं, जिससे जाम और अफरा-तफरी मच गई है, जैसा कि बताया गया है।

ठाणे : कपड़े धोते समय टिटवाला में कालू नदी में दो बहनें डूब गईं

ठाणे : एक चौंकाने वाली घटना में कपड़े धोते समय टिटवाला में कालू नदी में दो बहनें डूब गईं। यह घटना दोपहर करीब 2:15 बजे मांडा इलाके में शिवमंदिर घाट के पास हुई। मृतकों की पहचान आलिया सिकंदर अंसारी (18) के रूप में हुई है, जिनका शव बरामद कर लिया गया है, और उनकी चचेरी बहन सना वाहिद अंसारी (8) अभी भी लापता है। दोनों टिटवाला के विजय नगर की निवासी थीं और अपने माता-पिता के साथ रहती थीं।

पुलिस के अनुसार, लड़कियां कालू नदी के वसुंदरी हिस्से में कपड़े धोने गई थीं। कपड़े धोते समय सना का दुपट्टा पानी में गिर गया। वह उसे निकालने के लिए नदी में उतरी, लेकिन गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाई और डूबने लगी। यह देखकर आलिया अपनी छोटी चचेरी बहन को बचाने के लिए तुरंत पानी में कूद गई, लेकिन वह भी तेज धारा में बह गई।

स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और टिटवाला पुलिस को सूचना दी। बाद में दमकल विभाग बचाव कार्य में शामिल हुआ। तीन घंटे की मशक्कत के बाद आलिया का शव बरामद किया गया। हालाँकि, खराब दृश्यता के कारण सना की तलाश रोकनी पड़ी और बुधवार सुबह फिर से शुरू होगी। टिटवाला पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बाला कुंभार ने कहा, ''सना अपना दुपट्टा निकालने की कोशिश में डूब गई, और उसे बचाने की कोशिश में आलिया भी डूब गई।'' पुलिस ने मृतक का एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिसमें बहनों द्वारा हादसे से कुछ देर पहले रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो था, जिसमें वे नदी में कपड़े धो रही थीं।

मुंबई : लोकल ट्रेन में सीट को लेकर बहस लड़ाई में बदल गई; मुक्का-घूंसे चले, यात्रियों ने बीच-बचाव करके स्थिति को शांत किया

मुंबई : जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन में सफर करना हमेशा से ही धैर्य की परीक्षा रहा है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण, आप चाहे किसी भी समय ट्रेन में चढ़ें, ट्रेनें खचाखच भरी रहती हैं। भीड़ के कारण रोजाना झगड़े होते हैं, चाहे चढ़ते समय, उतरते समय या बस सीट ढूँढ़ते समय। ठाणे-वाशी लोकल ट्रेन का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्लिप में, दो यात्री सीट को लेकर बहस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ ही पलों में, बहस बेकाबू हो गई और एक फ्रीस्टाइल लड़ाई में बदल गई, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मोबाइल फोन में कैद हुई इस हाथापाई में, पहले तो दोनों के बीच मुक्का-घूंसे चले, फिर साथी यात्रियों ने बीच-बचाव करके स्थिति को शांत किया।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

नए रोजगार की गुणवत्ता पर संकट...

वर्ष 2023-24 का वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण एक चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है और वह है अनुबंध आधारित रोजगार में वृद्धि। इस समय संगठित विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत कुल कामगारों में से 42 फीसदी अनुबंध कार्यबल हैं। यह अनुपात 1997-98 के बाद सबसे अधिक है, जब अनुबंध कामगारों की हिस्सेदारी मात्र 16 फीसदी थी। वास्तव में, पिछले 10 वर्षों में अनुबंध आधारित रोजगार में लगभग 8 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि फैक्टरियों द्वारा सीधे नियोजित कामगारों की हिस्सेदारी में लगातार गिरावट देखी गई है। भारत जैसे देश के लिए, जिसे श्रम-प्रधान विनिर्माण पर निर्भर रहना पड़ता है, अनुबंध आधारित रोजगार में वृद्धि इस बात का संकेत है कि नए रोजगार की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है।

अनुबंधित कामगारों को आमतौर पर फैक्टरियों द्वारा सीधे काम पर नहीं रखा जाता है बल्कि उन्हें तीसरे पक्ष की एजेंसियों के माध्यम से अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जाता है। प्रमाण बताते हैं कि भारतीय कंपनियों को पारंपरिक रूप से कठोर श्रम कानूनों और मजबूत रोजगार सुरक्षा प्रावधानों का सामना करना पड़ा है, जिससे मांग की स्थिति के अनुसार कार्यबल को समायोजित करना कठिन हो जाता है। इन प्रतिबंधों से बचने के लिए कंपनियां अब तेजी से अनुबंध आधारित व्यवस्थाओं पर निर्भर हो रही हैं, जो उन्हें कामगारों के प्रबंधन में अधिक लचीलापन प्रदान करती हैं और लाभ व नौकरी सुरक्षा से जुड़े खर्चों को कम करती हैं। इस प्रवृत्ति का एक उल्लेखनीय पहलू राज्यों के बीच व्यापक अंतर है। वर्ष 2022-23 में यह देखा गया कि बिहार में औद्योगिक कर्मियों का 68.6 फीसदी हिस्सा अनुबंध श्रमिकों का है, जबकि केरल में यह आंकड़ा मात्र 23.8 फीसदी है। इस प्रकार, राज्यों में असमान नियामक प्रवर्तन और विभिन्न औद्योगिक प्रथाएं इस चुनौती को और अधिक जटिल बना देती हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच अनुबंधित कामगारों की हिस्सेदारी में स्पष्ट अंतर देखा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित फैक्टरियों में अनुबंधित कामगारों की हिस्सेदारी शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक होने की संभावना है। अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यन और अन्य विशेषज्ञों ने यह दर्शाया है कि कंपनियां अनेक संयंत्रों वाली रणनीतियां अपनाती हैं ताकि लचीलापन बना रहे और श्रम कानूनों सहित विभिन्न नियामकीय जोखिमों से बच सकें। यह विभाजन कामगारों को प्रभावी रूप से संगठित होने से रोकता है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी कमजोर पड़ती है और वेतन की मांगें भी कम बनी रहती हैं। हालांकि, इसके परिणामस्वरूप भारतीय कंपनियां बड़े पैमाने पर उत्पादन नहीं कर पातीं, जिससे उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यही कारण है कि भारत अपने यहां श्रम की बहुलता का लाभ उठाने में असफल रहा है और श्रम-प्रधान वस्तुओं के निर्यात के मामले में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

Rokthok Lekhani News Update
WhatsApp group

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद,

ट्रेनों में भीड़... दुर्घटनाओं का खतरा

मुंबई : लोकल ट्रेनों में भीड़ कम करने और दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से वर्ष 2002 में मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई थी। इस परियोजना का लक्ष्य यात्रियों के लिए उपनगरीय रेल यात्रा को सुरक्षित और समयबद्ध बनाना था। हालांकि, इस पहल पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद, ट्रेनों में भीड़भाड़ और दुर्घटनाओं का खतरा आज भी एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कई महत्वपूर्ण कार्य जो इस परियोजना का हिस्सा थे, वे वर्षों से लंबित पड़े हैं, जिससे इसका पूरा लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य भीड़ कम करना, दुर्घटनाओं के जोखिम को नियंत्रित करना और ट्रेनों के देरी से चलने की समस्या को हल करना था। लेकिन मुंबई शहरी परिवहन परियोजना प्रोजेक्ट पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद मुंबई की लोकल ट्रेनों में भीड़ और अव्यवस्था कम नहीं हो रही है। यात्रियों को अभी भी उसी तरह की असुविधा

का सामना करना पड़ रहा है, जिससे परियोजना की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। मुंबई में स्थानीय रेल यात्रियों को मौजूदा समय में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि शहर की कई महत्वपूर्ण परिवहन परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं या फिर उन पर काम रुका हुआ है। इससे उपनगरीय ट्रेनों में भीड़ और असुविधाएं बनी हुई हैं।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना प्रोजक्ट पर अब तक कितना खर्च हो चुका है और प्रोजेक्ट की है स्थिति? मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 4-1 4,500 करोड़ , 2003 के मध्य में शुरू हुआ और 2011 के मध्य में पूरा हुआ मुंबई शहरी परिवहन परियोजना -2 5,300 करोड़, 2027 में शुरू हुआ और 2027 में पूरा होने की संभावना है। मुंबई शहरी परिवहन परियोजना -3 10, 947 करोड़ खर्च, कुछ काम शुरू हुआ, बहुत प्रोजेक्ट अभी बाकी है। मुंबई शहरी परिवहन परियोजना -3इ 33,690 करोड़ खर्च होंगे, मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है निविद प्रक्रिया लंबित है। कुर्ला-सीसएमटी का पांचवें सहायक मार्ग पर 7 हजार करोड़ खर्च होना है, अभी कार्य कागज पर ही है। मुंबई शहरी परिवहन परियोजना - 440 हजार करोड़ खर्च हो चुके हैं और मौजूदा स्थिति अभी अभ्यास व योजनाएं लंबित हैं। मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तीसरे चरणकी योजनाओं में एसी ट्रेन ओर नई रेलवे लाइन मुंबई शहरी परिवहन परियोजना के तीसरे चरण, विशेषकर मुंबई शहरी परिवहन परियोजना -3अ और 3इ के विस्तार पर काफी ध्यान दिया गया है। केंद्र और राज्य सरकारों ने संयुक्त रूप से 238 वातानुकूलित लोकल ट्रेनों की खरीद को मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त, लगभग 136 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण भी प्रस्तावित है। इन नई लाइनों में बदलापुर-कर्जत और असनगांव-काशारा जैसे महत्वपूर्ण कॉरिडोर शामिल हैं, जिनका उद्देश्य मुंबई की उपनगरीय रेल व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। ये परियोजनाएँ मुंबई रेल विकास निगम की देखरेख में हैं। मुंबई रेल विकास निगम ने 15,000 करोड़ रुपये की एक बड़ी योजना भी घोषित की है, जो मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तीसरे चरण (3इ) का हिस्सा है।

अगस्त माह में महावितरण उपभोक्ताओं पर बढ़ेगा बिजली बिल का बोझ, लागू हुआ FAC

मुस्तकीम खान संवाददाता
मुंबई। महावितरण (MSEDCL) ने अगस्त 2025 माह के लिए ईंधन समायोजन शुल्क (Fuel Adjustment Charge - FAC) लागू करने का परिपत्र जारी किया है। यह शुल्क राज्यभर के उपभोक्ताओं के अगले मासिक बिजली बिल में जोड़ा जाएगा।

जुलाई माह में उपभोक्ताओं को नकारात्मक FAC दरों का लाभ मिला था, जिससे उनके बिजली बिलों में राहत मिली थी। लेकिन इस बार स्थिति उलट है। अगस्त 2025 के लिए घोषित ऋ्रअउ दरें सकारात्मक हैं, जिसके चलते उपभोक्ताओं को बिजली बिल में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ेगा।

परिपत्र के अनुसार, औसतन FAC दर लगभग 30 पैसे प्रति यूनिट तय की गई है। हालांकि यह दर उपभोक्ता वर्ग और स्लैब के अनुसार अलग-अलग होगी। परिणामस्वरूप, आगामी बिजली बिल जुलाई की तुलना में कुछ अधिक आएंगे।

FAC एक नियामक व्यवस्था है, जिसे महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (MERC) की मंजूरी प्राप्त है। इसका उद्देश्य बिजली खरीद और ईंधन लागत में होने वाले उतार-चढ़ाव को संतुलित करना है।

भिवंडी में अज्ञात चोरों ने युवक की मोटरसाइकिल उड़ाई

मुस्तकीम खान संवाददाता
भिवंडी। शहर में चोरी की घटनाएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला भिवंडी कल्याण रोड पर सामने आया है, जहाँ अज्ञात चोरों ने एक युवक की मोटरसाइकिल पर हाथ साफ कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फैसल मेहबुब शेख (25 वर्ष), निवासी नवीवस्ती साईबाबा मंदिर के पीछे, विठ्ठल किराणा दुकान के पास, भिवंडी, ने अपनी हिरो सीडी डिलक्स मोटरसाइकिल (टल्-02-इल्-0798) मरम्मत हेतु पप्पु गेराज, नगीना मस्जिद के सामने ब्रिज के नीचे, कल्याण रोड, भिवंडी पर दी थी। घटना वाली रात (9 सितंबर 2025) लगभग 1:30 बजे के दौरान उन्होंने मोटरसाइकिल रोड के बीच बने डिवाइडर के पास खड़ी की थी।

इसी दौरान अज्ञात चोर मौके का फायदा उठाकर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। चोरी हुई बाइक की कीमत लगभग 20,000 रुपये बताई गई है। फिर्याद के आधार पर भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में गुन्हा रजि. क्र. 844/2025 भा.न्या. सं. 2023 चे कलम 303(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल आरोपी अज्ञात है और पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

मुंबई : अटल सेतु पर एक दर्दनाक हादसा; 36 वर्षीय व्यक्ति की मौत...!

मुंबई : मुंबई के अटल सेतु पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक कार के डंपर से टकराने के कारण 36 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सचिन हनुमंत खाड़े के रूप में हुई है, जो एक निजी कंपनी में कर्मचारी थे। उनकी पत्नी मुंबई पुलिस में सहायक पुलिस निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ, जब सचिन कार में पिछली सीट पर बैठकर सेवरी की ओर जा रहे थे। कार चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण कार ने डंपर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सचिन खाड़े की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक को मामूली चोटें आईं और वह इस हादसे में बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना मिलते ही सेवरी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

पुलिस ने डंपर चालक को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि कार की गति तेज थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण नहीं रख पाया। हालांकि, हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस गहन जांच कर रही है। अटल सेतु, जो मुंबई और नवी मुंबई को जोड़ता है, एक व्यस्त मार्ग है। यहां आए दिन भारी वाहनों और कारों की आवाजाही रहती है। इस हादसे ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार के खतरों पर फिर से सवाल उठाए हैं।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और गति सीमा का पालन करें। सचिन खाड़े के परिवार पर इस हादसे से गहरा सदमा लगा है। उनकी मृत्यु ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे आस-पड़ोस को भी झकझोर दिया है।

मुंबई : कोविड-19 के चार नए मामले ; अब तक सभी मरीजों में हल्के लक्षण

मुंबई: राज्य के जन स्वास्थ्य विभाग के एक बुलेटिन में कहा गया है कि मुंबई में कोविड-19 के चार नए मामले सामने आए. नए मामलों के साथ, महाराष्ट्र में जनवरी 2025 से अब तक 2,773 पॉजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं. राज्य के स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार, अब तक सभी मरीजों में केवल हल्के लक्षण ही देखे गए हैं. अधिकारियों ने बताया कि जनवरी 2025 से अब तक राज्य में कुल 46 मौतें हुई हैं, जिनमें से 42 अन्य बीमारियों से पीड़ित थे और एक अन्य बीमारी से पीड़ित था. बुलेटिन में कहा गया है, ''बुखार और सांस लेने में तकलीफ के लक्षणों वाली 47 वर्षीय एक महिला की पहले ही मौत हो चुकी थी.'' बुलेटिन में कहा गया है कि 9 सितंबर को रिपोर्ट किए गए नए मामलों के साथ, जनवरी 2025 से अब तक मुंबई में पॉजिटिव मरीजों की कुल संख्या 1,116 हो गई है, जिसमें सितंबर में 5 और अगस्त में 17 मामले शामिल हैं. बुलेटिन में कहा गया है कि शहर में जून में 551 संक्रमण के मामले सामने आए थे, जो इस साल अब तक का सबसे अधिक है. स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि उसने इस साल अब तक पूरे महाराष्ट्र में 49,316 कोविड-19 परीक्षण किए हैं. राज्य में अब तक 2,719 लोग ठीक हो चुके हैं. राज्य में रिकवरी दर 98.04 प्रतिशत है.

स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में कहा गया है, ''कोविड-19 एक वायरल बीमारी है. वर्तमान में, महाराष्ट्र में कड़ी निगरानी की जा रही है. सर्वेक्षण के दौरान, ऐसे रोगियों की कोविड जाँच की जाती है. सकारात्मक रिपोर्ट आने के बाद इन कोविड रोगियों का नियमित रूप से इलाज किया जा रहा है. महाराष्ट्र में कोविड रोगियों की संख्या में धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से वृद्धि हो रही है. कोविड रोगियों में हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं. जन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से कोविड परीक्षण और उपचार की सुविधाएँ उपलब्ध हैं.

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गड्ढों की स्थिति को लेकर आदित्य ठाकरे ने सरकार और संबंधित विभागों पर कड़ा प्रहार किया....

मुंबई: मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गड्ढों की स्थिति को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है. शिवसेना (यूबीटी) के नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए सरकार और संबंधित विभागों पर कड़ा प्रहार किया. आदित्य ठाकरे ने आम नागरिक वाहन चालक विशाल भार्गव द्वारा बनाए गए वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, टू स्टोरी... भ्रष्टाचार. बेशर्म भ्रष्टाचार. यहां तक कि टोल वसूलते समय भी. फेकनाथ मिंढे (एकनाथ शिंदे) के पिछले कुछ सालों @टरफ्च्छर्श उसके साथ हर बड़ी/छोटी सड़क ध्वस्त हो गई है और रास्तों पर गड्ढे ही गड्ढे हैं.

उन्होंने अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि न सिर्फ मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, बल्कि हाल ही में बनी मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग पर भी यात्रा करना बेहद मुश्किल हो गया है. ठाकरे ने लिखा कि ''नई बनी सड़क पर एक भी किलोमीटर समतल या सही हालत में नहीं है. गड्ढे ऐसे उभर आते हैं जैसे सड़क पर नहीं, बल्कि खजाने में हों.''

आदित्य ठाकरे ने इस बहाने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी सीधा निशाना साधा है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और लापरवाही की वजह से राज्य की सड़कों की यह हालत हो गई है, लेकिन इसके बावजूद जनता से भारी टोल वसूला जा रहा है. गौरतलब है कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे देश का पहला छह लेन वाला एक्सप्रेसवे है, जिसकी देखरेख महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के पास है. इस एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली सालों से विवाद का विषय रही है. नागरिकों का कहना है कि टोल वसूली के बावजूद सड़क की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा.

ठाकरे की इस टिप्पणी के बाद राज्य की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है. विपक्ष लगातार सरकार को सड़क निर्माण और रखरखाव को लेकर घेर रहा है. वहीं, १४'ल्लॅ पार्टी की ओर से अब तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गड्ढों का मुद्दा हर साल बरसात के दौरान सामने आता है, लेकिन इस बार आदित्य ठाकरे ने इसे सीधे भ्रष्टाचार और प्रशासनिक नाकामी से जोड़कर सवाल खड़े किए हैं. अब देखना यह होगा कि महाराष्ट्र सरकार इस पर क्या सफाई देती है और क्या यात्रियों की परेशानियों को कम करने के लिए ठोस कदम उठाए जाते हैं.

भिवंडी में क्लोरीन गैस रिसाव से हड़कंप, पांच कर्मचारी गंभीर

भिवंडी : भिवंडी शहर सोमवार देर रात एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गया। टेमघर पाडा स्थित स्टेम ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीन गैस का रिसाव होने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में प्लांट के पांच कर्मचारी गंभीर रूप से प्रभावित हो गए, जिन्हें तत्काल शहर के लाइफलाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, आधी रात करीब साढ़े 12 बजे पानी शुद्धिकरण प्लांट में रखे 900 किलो की क्षमता वाले क्लोरीन गैस सिलेंडर में अचानक रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते जहरीली गैस पूरे परिसर में फैलने लगी। सबसे पहले प्लांट में तैनात सुरक्षा गार्ड अखिलेश मिश्रा और अन्य कर्मचारी- केमिस्ट प्रकाश पाटिल, हेल्पर ऋषिकेश म्हात्रे, विपुल चौधरी और जयवंत चौधरी इसकी चपेट में आ गए। जैसे ही घटना की खबर फैली, महानगर पालिका का आपातकालीन विभाग सक्रिय हो गया। विभाग प्रमुख साकिब खर्बे और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद रिसाव को रोका गया।

मुंब्रा इलाके में इमारत गिरने से महिला की मौत

ठाणे : मुंब्रा इलाके में इमारत का एक हिस्सा गिरने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई और उनकी बहू गंभीर रूप से घायल हो गयी। यह घटना दौलत नगर के लकी कंपाउंड में रात 12 बजे के बाद हुयी जिसमें इमारत का एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी के अनुसार, चार मंजिला इमारत के एक फ्लैट की दीवार का एक हिस्सा टूटकर पास की सड़क पर जा रही दो महिलाओं पर गिर गया। दोनों महिलाएं उसी इलाके के सना टावर की निवासी थीं। दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां बुजुर्ग महिला नाहिद जैनुद्दीन जमाली (62) को लाये जाने पर मृत घोषित कर दिया गया जबकि उनकी बहू इल्मा जेहरा जमाली (26) का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि नगरपालिका अधिकारियों ने पहले ही इमारत को 'सी2बी' श्रेणी के अंतर्गत खतरनाक घोषित कर दिया था।

भिवंडी मनपा की 3 स्कूलें जर्जर 523 छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

भिवंडी : भिवंडी में मनपा प्रशासन की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। शहर की तीन सरकारी स्कूल इमारतों को जर्जर घोषित कर बंद कर दिया गया, जिससे 523 बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इन छात्रों को फिलहाल धामनकर नाका स्थित सनसाइन बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया है, जहां उन्हें पांच घंटे की जगह केवल ढाई घंटे ही पढ़ाई मिल पा रही है। अभिभावक इस स्थिति से खासे नाराज हैं। भिवंडी मनपा कुल 94 स्कूलों का संचालन करती है, जिनमें करीब 40 हजार बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 46 स्कूल भवनों में से तीन इमारतें निजामपुरा क्षेत्र की पीली स्कूल क्रमांक 23, 27,90 और धामनकर नाका क्षेत्र की स्कूल क्रमांक 63, 97 व अजमेर नगर की स्कूल क्रमांक 67 को खतरनाक घोषित कर बंद किया गया। इनमें आधा दर्जन प्राइमरी व प्राइमरी स्कूलें चल रही थीं। इन इमारतों को बंद करने के बाद बच्चों को अस्थायी जगह पर भेज दिया गया है, लेकिन नई व्यवस्था छात्रों की पढ़ाई की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रही है।

मुंबई : कार की टक्कर में गई हेड कांस्टेबल की जान...

मुंबई : कोस्टल रोड पर मंगलवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से 52 वर्षीय एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि एक महिला पुलिसकर्मी घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह 7.53 बजे उस दौरान हुई जब दोनों पुलिसकर्मी बांद्रा-वर्ली सी लिंक और कोस्टल रोड को जोड़ने वाले स्थान पर बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार कार ने दोनों पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि दोनों को एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां हेड कांस्टेबल दत्तात्रेय कुंभार की मौत हो गई। कांस्टेबल रिद्धि पाटिल का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि दोनों पुलिसकर्मी वर्ली पुलिस थाने में तैनात हैं। पुलिस ने बताया कि कार चालक की पहचान रामचंद्र राणे (46) के रूप में हुई है और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

भिवंडी में बिना अनुमति बहुमंज़िला इमारत निर्माण पर की गई शिकायत...

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका क्षेत्र के मौजे गौरीपाड़ा, देवनगर (भिवंडी) में भू-संपत्ति सर्वे नं. 30/1, 36, 37, प्लॉट नं. 101 पर बिना किसी अनुमति और स्वीकृत नक्शे के आर.सी.सी. इमारत निर्माण का मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त भूखंड पर स्थित पुराने मकान को जमींदोज कर विकासक को सौंपा गया। इसके बाद संबंधित व्यक्तियों ने नगर पालिका की अनुमति लिए बिना ही तळमजला सहित चार मंज़िला इमारत का अवैध निर्माण शुरू कर दिया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि अब तक चार स्लैब डाले जा चुके हैं और पूरा निर्माण कार्य नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है।

इस संदर्भ में आजम मगतुद्दीन निरभान समेत अन्य नागरिकों ने आयुक्त, उपआयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त व प्रभाग अधिकारी (प्रभाग समिति क्र.-4) को लिखित आवेदन देकर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकताओं का आरोप है कि यह पूरा निर्माण कार्य अनधिकृत व बिनापरवाना है, इसलिए महानगरपालिका प्रशासन को चाहिए कि तत्काल इस अवैध इमारत को जमीन दोस्त कर संबंधितों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

इससे इलाके के नागरिकों में भी चिंता का माहौल बना हुआ है और सभी की नजरें अब महानगरपालिका प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। वहीं नागरिकों का कहना है कि प्रभाग क्रमांक 4 अंतर्गत अनेकों अवैध निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है पर प्रभाग अधिकारी ना तो आयुक्त अनमोल सागर के आदेश को मान रहे हैं न ही अवैध निर्माणधीन इमारतों पर तोड़क कार्रवाई कर रहे हैं। ऐसे मे आयुक्त इस मामले पर क्या रूख अपनाते हैं इस पर लोगों की नजरें टिकी हुई है।

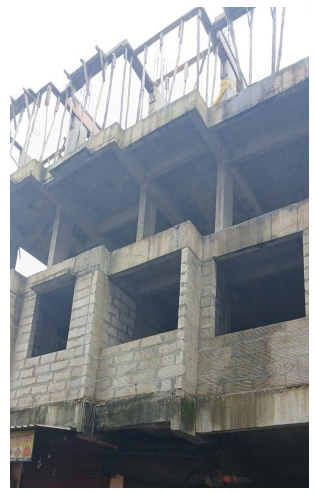

मुंबई : टाटा पावर ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 के पास शहर का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग हब खोला

मुंबई : टाटा पावर और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने जानकारी दी है कि कंपनी ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 के पास शहर का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग हब खोला है. कंपनी ने इस चार्जिंग स्टेशन को स्थापित करके मुंबई की दैनिक गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. कंपनी की यह फेसेलिटी लीला मुंबई होटल परिसर में स्थापित किया गया है, और खास बात यह है कि यह 24/7 चालू रहता है.

कंपनी ने बताया कि इस चार्जिंग हब में आठ तेज डीसी चार्जर लगाए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक का आउटपुट 120 किलोवाट है, जिससे एक साथ

16 वाहन चार्ज हो सकते हैं. ऐसे बाजार में जहां ज्यादातर सार्वजनिक चार्जर अभी भी मॉल या कार्यालय परिसर के अंदर एक या दो बे में ही लगे हुए हैं, कंपनी द्वारा स्थापित यह चार्जिंग स्टेशन मायने रखता है. चार्जिंग प्वाइंट्स की संख्या ज्यादा होने से कार मालिकों को कम इंतजार करना होगा. टाटा पावर के सीईओ और एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा ने कहा कि ''रणनीतिक रूप से स्थित और पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित, इस नए चार्जिंग हब का उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार इलेक्ट्रिक वाहन बुनियादी ढांचे के लिए एक स्टैंडर्ड स्थापित करना है.''

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि, ''इस टाटा इलेक्ट्रिक मेगाचार्जर का उद्घाटन - इस तरह के कई संयुक्त प्रतिष्ठानों में से पहला - भारत में व्यापक, तेज और विश्वसनीय चार्जिंग बुनियादी ढांचे को विकसित करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है. हम पूरे भारत में इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को और सशक्त बनाने के लिए इस साझेदारी को और आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं. '' टाटा मोटर्स की बेहतरीन पहल ये चार्जर सभी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उपलब्ध हैं, हालांकि टाटा इलेक्ट्रिक के वाहनों के मालिकों को रियायती दरों और प्राथमिकता वाली पहुंच जैसी सुविधाएं मिलती हैं.

मुंबई के व्यापारी की उदयरामसर में 1.19 हेक्टेयर जमीन फर्जी तरीके से बिक गई...

ऑनलाइन जमाबंदी देखी तो पता चला

मुंबई : मुंबई में स्टॉक मार्केट का काम करने वाले विजयरतन बी. मित्तल की उदयरामसर में 1.19 हेक्टेयर जमीन है, जो राजस्व रिकॉर्ड में उसके नाम से अंकित है। कृषि भूमि पर चारों ओर तारबंदी है और काश्तकार काश्त कर रहा है। व्यापारी ने अपनी कृषि भूमि की ऑनलाइन जमाबंदी निकलवाने के लिए सर्च किया तो वह चौंक गया। खातेदारी कृषि भूमि का इंतकाल और जमाबंदी नोखा में माडिया निवासी सुभाष बिश्नोई के नाम से दर्ज है। उप पंजीयक कार्यालय से कृषि भूमि की नकल ली तो पता चला कि कृषि भूमि का बयनामा कराया गया है। बयनामा पर व्यापारी की जगह किसी अन्य शख्स का फोटो है। आधार कार्ड और पैन नंबर भी लिखा है, जो व्यापारी के नहीं हैं। फर्जी दस्तावेज तैयार कर व्यापारी की कृषि भूमि का बयनामा तैयार कर जमीन बेच दी गई। उप पंजीयक कार्यालय में 10 जुलाई, 25 को सुभाष बिश्नोई के नाम बयनामा है, जबकि इस दिन व्यापारी मुंबई ही था।

मुंबई : आवारा कुत्तों के लिए रेबीज टीकाकरण अभियान...

मार्च 2026 तक विभिन्न पशु कल्याण संगठनों की मदद से होगा टीकाकरण....

मुंबई : मनपा प्रशासन ने शहर और उपनगरों में आवारा कुत्तों के लिए रेबीज की रोकथाम के उद्देश्य से टीकाकरण अभियान शुरू किया है। मनपा ने विभिन्न पशु कल्याण संगठनों के सहयोग से 1 सितंबर, 2025 से 15 मार्च 2026 तक सामूहिक अभियान चलेगा। इसमें विभिन्न पशु कल्याण संस्थाओं की मदद ली जाएगी। मनपा ने मुंबईकरों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग

करें। पशु कल्याण सुनिश्चित करने और पशु जनित रोगों की रोकथाम हेतु विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. कलीम पाशा पठान ने बताया कि मनपा, यूथ ऑर्गनाइजेशन इन डिफेंस ऑफ एनिमल्स, उत्कर्ष ग्लोबल फाउंडेशन और यूनिवर्सल एनिमल वेलफेयर सोसाइटी के साथ मिलकर इस अभियान को चला रही है। इस अभियान का उद्देश्य बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों का टीकाकरण करके रेबीज के कारण होने वाली मानव मृत्यु की संख्या को कम करना पशु कल्याण सुनिश्चित करना और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

डोंबिवली : बिरयानी की दुकान में आग; किसी के हताहत होने की खबर नहीं...

डोंबिवली : पलावा सिटी में मंगलवार तड़के एक बिरयानी की दुकान में आग लग गई। उस समय दुकान बंद थी, इसलिए किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, कल्याण-शील रोड स्थित केजीएन बिरयानी शॉप में सुबह करीब 7 बजे आग लग गई। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी नामदेव चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर जल्दी काबू पा लिया।

चौधरी ने बताया कि आग लगने के सही कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी, क्योंकि उस समय बिजली के तारों में चिंगारी निकलती देखी गई थी। टिन की चादर से बनी दुकान आग में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

डोंबिवली में चेन स्नैचिंग गैंग का पदार्फाश... तीन आरोपी गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

ठाणे : डोंबिवली पुलिस ने उत्तर प्रदेश से आए तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है। आरोपियों की पहचान अभय सुनील गुप्ता (21), अभिषेक ओमप्रकाश जौहरी (32) और अर्पित उर्फ प्रशांत अवधेश शुक्ला (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने 106 सीसीटीवी कैमरों की जांच कर इनकी गतिविधियों का पता लगाया और सुनील नगर, डोंबिवली पूर्व से इन्हें पकड़ा। तलाशी में अभय और अभिषेक के पास से एक ग्रामीण राइफल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए।

संपर्क कार्यालय : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com